पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने डॉ० लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित की
डॉ० लोहिया चिन्तन के अग्रदूत थे - राज्यपाल
डॉ० लोहिया गांव, गरीब और इतिहास से जुड़े थे - मुलायम

लखनऊः 12 अक्टूबर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने लखनऊ के गोमती नगर स्थित लोहिया पार्क जाकर डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्य तिथि के अवसर पर माल्यार्पण कर अपनी आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव, प्रदेश के स्वास्थ मंत्री श्री अहमद हसन, पूर्व सांसद श्री भगवती सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि महान समाजवादी चिन्तक डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्य तिथि के अवसर पर अपना सम्मान प्रकट करने के लिए वे लोहिया पार्क आये हैं। यह संयोग की बात है कि श्री मुलायम सिंह यादव के साथ ऐसे महान नेता के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर मिला। डॉ० लोहिया समग्र व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने आजादी की लड़ाई को आगे ले जाने का काम किया। डॉ० लोहिया केवल राजनेता ही नहीं बल्कि मौलिक चिन्तन करने वाले दार्शनिक थे। उनकी पुण्य तिथि पर सारा देश उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। डॉ० लोहिया ने विपक्ष में एकता लाने का काम किया तथा वे जनतंत्र में राजनैतिक छुआ-छूत के विरोधी थे। उन्होंने कहा कि डॉ० लोहिया चिन्तन के अग्रदूत थे।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ० राम मनोहर लोहिया जैसा शायद ही कोई नेता हो जिसे भारतीय एवं विदेशी भाषाओं पर अधिकार हो। वे भारतीय भाषाओं के पक्षधर थे। अंग्रेजों ने भारत को परतंत्र बनाया था इसलिए उन्होंने इंग्लैण्ड न जाकर जर्मनी में शिक्षा ग्रहण की। उनका मानना था कि छुआ-छूत की राजनीति, भ्रष्टाचार आदि को दूर करने की जिम्मेदारी हम सब की है। लोहिया जी के मन में जो देश के भविष्य को लेकर विचार थे उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डॉ० लोहिया के विचारों के आधार पर मिलकर काम करें।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ० लोहिया गांव, गरीब और इतिहास से जुड़े थे। भाषा, देशभक्ति, देश की सीमा, महंगाई और भ्रष्टाचार के मसले पर डॉ० लोहिया एवं पं0 दीन दयाल उपाध्याय का एकमत था। डॉ० लोहिया का मत था कि विदेशी भाषा का ज्ञान अवश्य हो लेकिन सरकारी कामकाज भारतीय भाषा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ० लोहिया के विचारों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाने की आवश्यकता है।

श्री यादव ने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द्र और एकता भारत की विचारधारा है। देश में सभी सम्प्रदायों को एक-दूसरे की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने दादरी में हिन्दू भाईयों द्वारा मुस्लिम बेटी की शादी में सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए आज इसी रिश्ते की जरूरत है।

राज्यपाल श्री राम नाईक एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव ने डॉ० लोहिया के राजनैतिक जीवन और आपातकाल में उनके साथ बिताये हुए समय एवं अनुभव भी साझा किये।

म मनोहर लोहिया पार्क
का
लोकार्पण
श्री मुलायम सिंह यादव

राम मनोहर लोहिया पार्क
का
लोकार्पण
श्री मुलायम सिंह यादव